

Daily Mains Writing – 24 March

Discuss the significance of the Middle East for India (150 words)

The Middle East region is of profound significance for the world, and also for India. The recent escalation between Israel and Iran-backed forces, the demand for Kurdistan, the situation in Syria characterized by a vicious cycle of violence and retaliation, underscores the region's complex dynamics. This prolonged instability not only destabilizes the region but also has global repercussions, including oil price volatility and heightened geopolitical tensions.

Significance of the Middle East for India

- **Energy Security:** Major source of India's crude oil and gas; partners include Saudi Arabia, Iraq, and UAE. Disruptions affect inflation and economy.
- **Counter-Terrorism:** Collaborations with UAE, Israel, and Saudi Arabia on intelligence sharing and terror financing crackdown; USD 2.9 bn arms imported from Israel.
- **Diaspora & Remittances:** Over 66% of India's NRIs live in the Gulf; vital for remittance inflow and economic contribution.
- **Cultural Ties:** Shared civilizational links and recent cultural initiatives like the BAPS temple in Abu Dhabi strengthen relations.
- **Connectivity Projects:** Chabahar Port, INSTC, and India-Middle East-Europe Corridor enhance trade and reduce reliance on Pakistan.
- **Multilateral Leverage:** Engagement with Arab League, OIC, and UN boosts India's global influence and support on strategic issues.

How India Can Strengthen Ties with the Middle East

- **Balanced Diplomacy:** Maintain neutrality in regional conflicts; support peace efforts (e.g., two-state solution in Israel-Palestine) while keeping communication open with all players, including Iran.
- **Economic Engagement:** Boost trade, investment, and energy ties; expand digital footprint via UPI; emulate CEPA-like pacts for mutual benefit.
- **Defense Cooperation:** Enhance joint military exercises, tech co-development, and intelligence sharing to build trust and ensure regional security.
- **Global South Mediator:** Use platforms like OIC to bridge Middle East–West gaps, advocate governance reforms, and promote South-South cooperation.
- **Tourism Promotion:** Launch joint campaigns, simplify visas, and develop customized packages (e.g., "Visit Saudi" IPL ads) to boost tourism.
- **Humanitarian Assistance:** Expand disaster relief partnerships (e.g., Operation Dost), improve early warning systems and emergency response coordination.

The Middle East holds vital importance for India, as it has deep historical, cultural, and economic ties with the region. India, as a leading voice of the Global South, can play a constructive role in bridging the divide between the Middle Eastern countries and the traditional global powers, while also addressing shared challenges like terrorism and climate change.

भारत हेतु मध्य पूर्व के महत्व पर चर्चा करें (150 शब्द)

मध्य पूर्व क्षेत्र दुनिया के लिए और भारत के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण है। इजरायल और ईरान समर्थित अभिकर्ताओं के मध्य हाल ही में हुआ तनाव, कुर्दिस्तान की मांग, हिंसा और प्रतिशोध के दुष्चक्र से प्रभावित सीरिया की स्थिति, इस क्षेत्र की जटिल स्थिति को रेखांकित करती है। यह लंबे समय तक चलने वाली अस्थिरता न केवल क्षेत्र को अस्थिर करती है, बल्कि इसके वैश्विक परिणाम भी होते हैं, जिसमें तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और भू-राजनीतिक तनाव में वृद्धि शामिल है।

भारत हेतु मध्य पूर्व का महत्व

- **ऊर्जा सुरक्षा:** भारत के कच्चे तेल और गैस का प्रमुख स्रोत; भागीदारों में सऊदी अरब, इराक और यूएई हैं। व्यवधान मुद्रास्फीति और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करते हैं।
- **आतंकवाद-विरोध:** खुफिया जानकारी साझा करने और आतंकवाद के वित्तपोषण पर नकेल कसने के लिए यूएई, इजरायल और सऊदी अरब के साथ सहयोग; इजरायल से 2.9 बिलियन अमेरिकी डॉलर के हथियार आयात किए गए।
- **प्रवासी और प्रेषण:** भारत के 66% से अधिक अप्रवासी खाड़ी में रहते हैं; प्रेषण प्रवाह और आर्थिक योगदान हेतु महत्वपूर्ण है।
- **सांस्कृतिक संबंध:** साझा सभ्यतागत संबंध और अबू धाबी में BAPS मंदिर जैसी हालिया सांस्कृतिक पहल संबंधों को मजबूत करती हैं।
- **संपर्क परियोजनाएँ:** चाबहार बंदरगाह, INSTC और भारत-मध्य पूर्व-यूरोप कॉरिडोर व्यापार को बढ़ाते हैं और पाकिस्तान पर निर्भरता कम करते हैं।
- **बहुपक्षीय लाभ:** अरब लीग, OIC और UN के साथ सम्बन्ध भारत के वैश्विक प्रभाव और रणनीतिक मुद्दों पर समर्थन को बढ़ाता है।

भारत मध्य पूर्व के साथ संबंधों को कैसे मजबूत कर सकता है

- **संतुलित कूटनीति:** क्षेत्रीय संघर्षों में तटस्थता; शांति प्रयासों का समर्थन कर सकता है (जैसे, इजरायल-फिलिस्तीन में दो-राज्य समाधान) जबकि ईरान सहित सभी अभिकर्ताओं के साथ संचार खुला रख सकता है।
- **आर्थिक सम्बन्ध:** व्यापार, निवेश और ऊर्जा संबंधों को बढ़ावा देना; UPI के माध्यम से डिजिटल पदचिह्न का विस्तार; पारस्परिक लाभ के लिए CEPA जैसे समझौतों का अनुकरण।
- **रक्षा सहयोग:** विश्वास बनाने और क्षेत्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु संयुक्त सैन्य अभ्यास, तकनीकी सह-विकास और खुफिया जानकारी साझा करना।
- **ग्लोबल साउथ मध्यस्थ:** मध्य पूर्व-पश्चिम अंतराल को पाटने, शासन सुधारों की वकालत करने और दक्षिण-दक्षिण सहयोग को बढ़ावा देने हेतु OIC जैसे प्लेटफार्मों का उपयोग।
- **पर्यटन संवर्धन:** पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु संयुक्त अभियान शुरू, वीजा प्रक्रिया का सरलीकरण और अनुकूलित पैकेज विकसित करना (जैसे, "विजिट सऊदी" आईपीएल विज्ञापन)।
- **मानवीय सहायता:** आपदा राहत साझेदारी का विस्तार (जैसे, ऑपरेशन दोस्त), प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली और आपातकालीन प्रतिक्रिया समन्वय में सुधार।

मध्य पूर्व भारत हेतु बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस क्षेत्र के साथ उसके गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आर्थिक संबंध हैं। ग्लोबल साउथ की अग्रणी आवाज़ के रूप में भारत मध्य पूर्वी देशों और पारंपरिक वैश्विक शक्तियों के मध्य खाई को पाटने में रचनात्मक भूमिका निभा सकता है, साथ ही आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन जैसी साझा चुनौतियों का समाधान भी कर सकता है।